खट्टी मीठी बातें

रचियता
रामानंद पाठक 'नंद'
नंद भवन नैगुवाँ

Scanned with OKEN Scanner

सप्रेम भेंट

पुस्तकालय

खट्टी मीठी बातें

41053

रचियता-
रामानंद पाठक "नंद"
नंद भवन नैगुवाँ

Scanned with OKEN Scanner

अपनी बात

मनुष्य अपने मन मस्तिष्क और हृदय में जिन संवेदनाओं का अनुभव करता है। वह उन्हें प्रायः दूसरो के सामने व्यक्त करना चाहता है व्यक्त करने का माध्यम मौखिक या लिखित भी हो सकता है।

मैंने अपने व्यवहारिक जीवन में समाज व अपने परिवार, परिवेश व परिस्थितियों, व्यवहारों, सुखों, दुखों, विवशताओं, से जो कुछ सीखने व देखने को मिला है उसे मैंने अपनी टूटी-फूटी भाषा में चौकड़िया छंदो में भाषाबद्ध करने का प्रयास किया है। यद्यपि कलेवर की भाषा का कोई कलापक्ष नही है फिर भी वर्णात्मक शैली होते हुए भी अपने विचारों और अनुभवों को छंदवद्ध किया है। पुस्तक के दो भाग हैं । प्रथम भाग में अपने निज परिवार व निजी परिस्थितियों का समावेश है तथा द्वितीय भाग में जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुभवों का चित्रण है जिसे में अपनी कुशलता नहीं समझता वल्कि स्वान्तः सुखाय मुख्य उद्देश्य है।

प्रकाशन उपरान्त विद्वज्जनों की सेवा में प्रेषित करते हुए आशा करता हूँ कि शायद आप लोगों को पसंद आए।

साभार

रामानंद पाठक "नंद"

नंद भवन **नैगुवाँ,**

जिला-निवाड़ी(म.प्र.)

माँ के चरणो में.....

11653

Scanned with OKEN Scanner

श्रीमती रामलली पाठक 'जिज्जी'

माता जी

n1653

Scanned with OKEN Scanner

स्व.श्रीमती जयन्ती पाठक

को समर्पित ।

Scanned with OKEN Scanner

01853

Scanned with OKEN Scanner